प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14
विषय – राजनीति विज्ञान (Political Science)
कक्षा – बारहवीं
सेट–सी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**
Time- 3 Hours **Maximum Mark – 100**

निर्देश–

i. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
ii. प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर उत्तर लिखिए।
iii. प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिनके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, सत्य/असत्य, सही जोड़ी बनाना, एक वाक्य में उत्तर तथा सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 1x5= 5x5 = 25 अंक
iv. प्रश्न क्रमांक 6 से 24 तक में आन्तरिक विकल्प दिये गये है।
v. प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखना है।
vi. प्रश्न क्रमांक 11 से 17 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 4 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 75 शब्दों में लिखना है।
vii. प्रश्न क्रमांक 18 से 22 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में लिखना है।
viii. प्रश्न क्रमांक 23 तथा 24 में प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखना है।

Instructions –

i. All question are compulsory.
ii. Please the instructions carefully before writing the answer.
iii. Q. No. 1 to 5 are objective type which contain fill up the Blank, True/False, match the column, one sentence answer and choose the correct answers. Each question is allotted 5 marks. 1x1 = 5x5 =25 Marks.
iv. Internal options are given in Q. No. 6 to 24.
v. Q. No. 6 to 10 carry 2 marks each and answer should be given in about 30 words.
vi. Q. No. 11 to 17 carry 4 marks each and answer should be given in about 75 words.
vii. Q. No. 18 to 22 carry 5 marks each and answer should be given in about 120 words.
viii. Q. No. 23 and 24 carry 6 marks each and answer should be given in about 150 words.

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. भारतीय संविधान में.....मौलिक अधिकार है।
2. .....ने सर्वप्रथम जाति प्रथा को सुधारने का प्रयास किया।
3. .....भारतीय विदेश नीति के मुख्य निर्माता है।
4. योरोपियम यूनियन में.....सदस्य है।
5. अन्तराष्ट्रीय न्यायालय में.....न्यायधीश होते है।

Fill in the blanks.

(i) Under Indian constitution .....is a fundamental rights.
(ii) ..... was the first one to reform the Caste System.
(iii) .....was the Chief Founder of India's Foriegn Policy.
(iv) ..... is the number of members in European Union.
(v) ..... is the number of Jugdes in International Court of Justice.

प्रश्न 2. सही विकल्प चुनकर लिखिए –

(अ) शरणार्थी कौन है –

(i) नागरिक (ii) विदेशी
(iii) पर्यटक (iv) दूसरे देश से रहने के लिये आया नागरिक

(ब) क्षेत्रवाद का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पक्ष है –

(i) गरीबी (ii) राजनीतिक लाभ
(iii) पृथक राज्य की मांग (iv) आर्थिक सुधार

(स) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष में कितने कार्यपालक निर्देशक होते है –

(i) 22 (ii) 20
(iii) 24 (iv) 26

(द) आपरेशन विजय संबंधित है –

(i) भारत पाक युद्ध 1965 (ii) बांग्लादेश संकट 1971
(iii) कारगिल युद्ध 1999 (iv) भारत चीन युद्ध 1962

(इ) आधुनिकीकरण की शुरूआत कहां से हुई –

(i) पश्चिम यूरोप (ii) अमेरिका

(iii) भारत (iv) रूस

Select the correct answer.

(a) Who is known as a Refugee:

(i) Citizen (ii) Foreigner

(iii) Tourist (iv) Person came from different country to reside

(b) The most important feature of Regionalism is:

(i) Poverty (ii) Political Gains

(iii) Demand for an Independent State (iv) Economic Reform

(c) How many Executive Directors are there in international monetary fund -

(i) 22 (ii) 20

(iii) 24 (iv) 26.

(d) Operation Vijay is associated with:

(i) Indo Pak War 1965 (ii) Bangladesh Crisis 1971

(iii) Kargil War 1999 (iv) Sino Indian War 1962

(e) Modernization began with:

(i) Western Europe (ii) America

(iii) India (iv) Russia

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' के लिए स्तंभ 'ब' से चुनकर सही जोड़ी बनाइये :–

	अ	**–**	**ब**
(अ)	सौराष्ट्र	–	व्यापार पर प्रतिबंधों का अभाव
(ब)	विश्व बैंक की स्थापना	–	1993
(स)	भारत रूस मैत्री संधि	–	गुजरात
(द)	भारत पाक युद्ध	–	1945
(इ)	आर्थिक उदारीकरण	–	1965

Make the correct pair for column 'A' choosing from column 'B'.

	A	-	B
(a)	Saurashtra	-	Absence of Trade Sanctions
(b)	Establishment of World Bank	-	1993
(c)	Indo Russian Friendly Alliance	-	Gujrat
(d)	Indo Pak War	-	1945
(e)	Economic Freedom	-	1965

प्रश्न 4. प्रत्येक का एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. क्रिप्स मिशन कब भारत आया?
2. स्वतंत्रता के बाद भारत के राज्य कितने श्रेणियों में विभाजित था?
3. मजदूर संघ की स्थापना कब हुई?
4. आसियाम का मुख्यालय कहां स्थित है?
5. संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस कब मनाया जाता है?

Write the Answer in one sentence each.

1. When did crisp mission came to India?
2. In how many classes was India divided post freedom?
3. When was labour union established?
4. Where is the headquaters of ASEAN situated?
5. When is UNO day celebrated?

प्रश्न 5. निम्नलिखित के सत्य या असत्य में उत्तर दीजिए –

1. भारत चीन युद्ध 1965 में हुआ था।
2. संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्य 6 अंग है।
3. भारत संयुक्त राष्ट्र संघ का मौलिक सदस्य है।

4. वैश्वीकरण आर्थिक समानता को जन्म देता हैं

5. आर्थिक उदारीकरण का उद्देश्य रोजगार के अवसर में वृद्धि करना।

Answer the following in true or false.

(i) Sino Indian war was held on 1965.

(ii) United Nations of organisation have six main compoinents.

(iii) India is a orginal member of united Nations organization.

(iv) Globalization gives rise to economic equality.

(v) The aim of economic liberalization is to improve the employment oportunity.

प्रश्न 6. शरणार्थी समस्या के कोई दो प्रभाव बताइये।

Give any two effects of Refugee problem

अथवा
Or

भारत विभाजन के दो कारण लिखिए।

Give two reasons for India's partition

प्रश्न 7. राज्यों की पुनर्गठन की मुख्य आवश्यकता क्या है?

What is the need for state reorganization

अथवा
Or

राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के प्रावधान लिखिए। कोई–2

Write main points of State Reorganization act 1956

प्रश्न 8. लोक कल्याणकारी राज्य की कोई दो विशेषताए लिखिए।

Give any two features of State Welfare

अथवा
Or

धर्म निरपेक्ष राज्य किसे कहते है?

What is Secularism

प्रश्न 9. विश्व बैंक के कोई दो उद्देश्य लिखिए।

Write two objectives of World Bank

अथवा

Or

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रमुख दो कार्य लिखिए।

Write two objectives of World Monetary Fund

प्रश्न 10. भारत व बांग्लादेश के तनाव के दो कारण लिखिए।

Give two reasons for Indo Bangladesh Stress

अथवा

Or

शिमला समझौता किनके मध्य हुआ? कोई दो शर्ते लिखिए।

Between which two nations was Shimla Agreement Signed? Give any two conditions of it.

प्रश्न 11. अस्पृश्यता दूर करने के कोई चार उपाय लिखिए?

Write any four measures to remove untouchability?

अथवा

Or

पिछड़े वर्गों की कोई चार विशेषताएं लिखिए?

Write any four characteristics of Back World Classes?

प्रश्न 12. भारत में क्षेत्रीय असंतुलन के कोई दो कारणों का उल्लेख करें?

Mansion any two causes of regional imbalance in India?

अथवा

Or

भाषावाद पर रोक लगाने के लिये कोई दो सुझाव लिखिए?

Give two suggestion to curb linguism?

प्रश्न 13. राष्ट्रीय महिला आयोग के कोई चार कार्यों को लिखिए?

Write any four functions for National Women Commission?

अथवा

Or

सहकारी आंदोलन को सफल बनाने के लिये चार सुझाव दीजिए?

Give any four suggestions for the success of co-operative movement?

प्रश्न 14. तनाव शैथिल्य के चार कारणों की विवेचना कीजिए?

Explain any four reasons for Detente?

अथवा

Or

भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व लिखिए?

What are the determining factors of Indian Foreign Policy?

प्रश्न 15. गुट निरपेक्ष आंदोलन की उपलब्धियां क्या है?

What are the achievements of Non Aligned Movement?

अथवा

Or

विश्व बैंक के कार्य लिखिए?

Write the functions of the World Bank?

प्रश्न 16. भारत और अमेरिका के मध्य मतभेद के कोई चार कारण लिखिए?

Write any four reasons for dispute between India and America?

अथवा

Or

लाहौर समझौते के मुख्य प्रावधान क्या थे?

What were the main provision of Lahore Pact?

प्रश्न 17. वैश्वीकरण की चार विशेषताएं लिखिए?

Write four characteristics of Globalization?

अथवा

Or

आर्थिक उदारीकरण के पक्ष में कोई चार तर्क दीजिए?

Give any four arguments in support of economic liberalization?

प्रश्न 18. भारत विभाजन के कारणों को समझाइएं?

Explain the cause of Partition of India?

अथवा

Or

शरणार्थियों की समस्या पर एक निबंध लिखिए?

Write an essay on the Problem of Refugees?

प्रश्न 19. मण्डल आयोग की मुख्य सिफारिशों को लिखिए?

Write the main recommendations of the Mandal Commission?

अथवा

Or

मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग के पांच कार्यों का वर्णन कीजिए?

Explain the five functions of Madhya Pradesh Backward class commission?

प्रश्न 20. भारत में क्षेत्रवाद के उदय के कारणों का वर्णन कीजिए?

Explain the causes of rise of Regionalism in India?

अथवा

Or

निरक्षरता विकास में बड़ी बाधा है। स्पष्ट कीजिए।

Clarify that illiteracy is a big hindrance to development?

प्रश्न 21. चिपकों आंदोलन क्या है? समझाइये।

Explain the Chipka Movement?

अथवा

Or

भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन पर टिप्पणी लिखिए?

Write a note on Social Reform Movement in India?

प्रश्न 22. पंचशील के सिद्धांत का उल्लेख कीजिए?

Mention about the Principles of Panchsheel?

अथवा

Or

गुट निरपेक्ष आंदोलन में भारत की भूमिका की विवेचना कीजिए?

Discuss the role of India in Non Aligned Movement?

प्रश्न 23. भारतीय संविधान की विशेषताओं की विवेचना कीजिए?

Explain the characteristics of Indian Constitution?

अथवा

Or

भारतीय संविधान के मुख्य स्त्रोंतों की विवेचना कीजिए?

Discuss the main sources of the Indian Constitution?

प्रश्न 24. संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

Describe the objectives of the United Nation organization?

अथवा

Or

निःशस्त्रीकरण कीअसफलता के पांच कारण लिखिए?

Mention the five reasons for failure in Disarmament?

– – – – – –

आदर्श उत्तर

विषय – राजनीति विज्ञान (Political Science)
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान –

1. 6
2. राजा राम मोहन राय
3. पंडित जवाहर लाल नेहरू
4. 25
5. 15

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प –

(अ) दूसरे देश से रहने के लिये आया नागरिक

(ब) पृथक राज्य की मांग

(स) 24

(द) कारगिल युद्ध

(इ) पश्यिम यूरोप

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सही जोडियां –

अ		**ब**
(अ) सौराष्ट्र	–	गुजरात
(ब) विश्व बैंक की स्थापना	–	1945
(स) भारत रूस मैत्री संधि	–	1993

(द) भारत पाक युद्ध – 1965

(इ) आर्थिक उदारीकरण – व्यापार पर प्रतिबंधों का अभाव

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. एक वाक्य में उत्तर –

1. 1942
2. 4
3. 1955
4. जकार्ता
5. 24 अक्टूबर।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. सत्य/असत्य –

(i) असत्य

(ii) सत्य

(iii) सत्य

(iv) असत्य

(v) सत्य

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. शरणार्थी समस्या के दो प्रभाव –

1. शरणार्थियों द्वारा छोड़ी गई सम्पत्तियों के लिये क्षतिपूर्ति की समस्या।
2. शरणार्थियों के पुनर्वास की समस्या।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. मुस्लिम भावनाएं – हिन्दू तथा मुसलमानों के लम्बे समय तक मिलजुल कर साथ रहने के बावजूद भी भाई चारे की भावना विकसित नहीं हुई।
2. मुस्लिम साम्प्रदायकिता को ब्रिटिश प्रोत्साहन– ब्रिटिश सरकार ने 1870 से मुसलमानों को संरक्षण देना प्रारंभ किया और इसी श्रंखला में भारत शासन अधिनियम 1909 द्वारा साम्प्रदायिक निर्वाचन की आधार शिला रखी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. भारतीय संघ में देशी रियासतों का विलय एक तात्कालक व्यवस्था थी। समस्त वर्गों का यह मत था कि अब राज्यों का पुनर्गठन किया जाना जरूरी है। तभी भारत के दक्षिण राज्यों में भाषाई आधार पर राज्यों को पुनर्गठित किये जाने की पुरजोर मांग की जाने लगी। इससे पूर्व संविधान निर्माण के दौरान ही संविधान सभा में भाषाई आधार पर राज्यों को बनाने की मांग उठी थी। जनता के दबाव में कांग्रेस द्वारा गठित समिति भी दर आयोग के निष्कर्ष से सहमत थी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के प्रावधान –

1. सरकार ने आयोग की यह सिफारिश स्वीकार कर ली कि केरल, मध्यप्रदेश और कर्नाटक के नये राज्यों की स्थापना की जाये।
2. मद्रास, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, पं. बंगाल, असम और उड़ीसा यथावत बने रहे।
3. अस में त्रिपुरा के क्षेत्र को शामिल किया जाये।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. लोक कल्याणकारी राज्य की विशेषताएं –

1. आर्थिक सुरक्षा की व्यवस्था।
2. राजनीतिक सुरक्षा की व्यवस्था।
3. अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

धर्म निरपेक्ष राज्य का यह आशय है कि भारत का कोई राजधर्म नहीं है और सरकार द्वारा नागरिकों के मध्य धर्म के आधार पर किसी प्रकार का विरोध नही किया जायेगा। सभी नागरिकों को किसी धर्म के पालन, प्रचार और प्रसार की स्वतंत्रता प्राप्त होगी। सभी धर्मावलम्बियों को अपनी रूचि की धार्मिक संस्थाएं स्थापित करने और उनके प्रबंध का अधिकार होगा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. विश्व बैंक के उद्देश्य –

1. सदस्य राष्ट्रों के आर्थिक पुननिर्माण तथा विकास के लिये दीर्घ समयावधि तक धनराशि उपलब्ध कराना।
2. भुगतान संतुलन की साम्यता तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के संतुलित विकास के लिये दीर्घ कालीन पूंजी विनियोग को प्रोत्साहित करना, जिससे कि देशों की उत्पादकता में वृद्धि हो सके।
3. विभिन्न माध्यमों द्वारा सदस्य देशों में पूंजी निवेश को प्रोत्साहित करना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के कार्य –

1. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का मुख्य कार्य सदस्य राष्ट्रो को अपने घाटों को पूरा करने हेतु वैदिक मुद्रा ऋण के रूप में देना है।
2. मुद्रा कोष द्वारा सदस्य राष्ट्रों को ऋण देते समय यह आश्वासन लिया जाता है कि संबंधित राष्ट्र सामान्य समयावधि के भीतर ऋण को ली गई मुद्रा में ही वापस कर देगा।
3. इसके द्वारा यह भी सुनिश्चित कर लिया जाता है कि राष्ट्र प्रारंभिक मूल्य की तुलना में अपनी विनिमय दर में अधिकतम दस प्रतिशत से अधिक का बदलाव न लाये।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. भारत–बांग्लादेश के तनाव के कारण –

1. बांग्लादेश के हिन्दू एवं बिहारी मुसलमान अपनी सुरक्षा की गुहार लगाते हुए अवैध रूप से भारत के सीमावर्ती राज्यों में घुसपैठ करते रहते है जिसमें दोनों देशों के संबंधों में तनाव व्याप्त होता है।
2. भारत बांग्लादेश के मध्य मुहरी नदी विवाद ने भी परस्पर दोनों राष्ट्रों के संबंधों में खटास पैदा की थी, नवमूर द्वीप विवाद भी भारत बांग्लादेश संबंधों में तनाव का एक कारक रहा है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

शिमला समझौता 3 जुलाई 1972 को भारत पाकिस्तान के बीच हुआ।

1. दोनों देशों की सरकारों ने यह तय किया कि दोनों देश परस्पर संघर्ष को समाप्त करते है, जिसके कारण दोनों देशों के संबंधों में कटुता उत्पन्न हुई थी।

2. दोनों देशों के मध्य संचार व्यवस्था की जावेगी। दोनों देशों के नागरिक एक दूसरे के और निकट आये। इसलिए नागरिकों को आने जाने की सुविधाएं दी जायेगी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. अस्पृश्यता को दूर करने के चार उपाय निम्नांकित है :–

1. अन्तर्राष्ट्रीय विवाह को प्रोत्साहन दिया जाए।
2. छुआछूत (अस्पृश्यता) के खिलाफ प्रचार किया जाए। संविधान के 17वें अनुच्छेद अनुसार।
3. अस्पृश्यता का अंत करने हेतु जातिगत आरक्षण की व्यवस्था को समाप्त कर देना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 15 धर्म, नस्ल, जाति, जन्मस्थान के आधार पर भेदभाव नहीं।
4. समाज में व्याप्त आर्थिक एवं सामाजिक असमानता को दूर किया जाए। किसी नागरिक के लिये दुकानों, भोजनालयों, कुआं, तालाब, स्नानघाटों, सड़क व सार्वजनिक दृश्य स्थानों आदि के प्रयोग की स्वतंत्रता।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दु लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पिछड़े वर्ग की चार विशेषताएं निम्नलिखित है :–

1. पिछड़े वर्गों का अभिप्राय उन वर्गों से है जो उच्च जातियों से निम्न तथा निम्न जातियों के मध्य के है।
2. अन्य जातियों की भांति पिछड़े वर्ग की सदस्यता भी जन्म से ही निर्धारित होती है।
3. भारतीय संविधान के अनुसार पिछड़ेपन का आधार सामाजिक तथा शैक्षणिक है।

4. पिछड़े वर्गों को अन्य वर्गों के समकक्ष लाने हेतु नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दु लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. क्षेत्रीय असंतुलन के कारण निम्नलिखित है :–

1. विकास योजनओं की आंशिक सफलता।
2. विपरीत राजनीतिक एवं प्रशासनिक परिस्थितियां।
3. मानव पूंजी का आभाव।
4. राजनीतिक इच्छा शक्ति की कमी।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दु लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भाषावाद की समस्या के समाधान के निम्नलिखित उपाय है :–

1. भारत के संविधान में संकलित एवं अधिक संख्यक बोली जाने वाली भाषाओं को ही स्थान प्राप्त है।
2. त्रिभाषा फार्मूला– सरकार अपनी शिक्षा नीति त्रिभाषा फार्मूला को अपनाते हुए राज्य भाषा को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय भाषा के रूप हिन्दी और अन्तर्राष्ट्रीय भाषा में अंग्रेजी या अन्य विदेशी भाषा ली जावे।
3. केन्द्र एवं राज्य के बीच संवाद की भाषा हिन्दी रखी जावे।
4. प्रत्येक राज्य अपने क्षेत्र में राज्य भाषा को सरकारी काम काज की भाषा बनाये किन्तु अन्य राज्यों से संपर्क की भाषा में अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी को प्राथमिकता दी जावें।
5. अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता परीक्षाओं में हिन्दी के साथ–साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग किये जाने को प्रोत्साहित किया जावे।

6. राज्यों को अपने शिक्षा पाठयक्रम में राज्य भाषा के साथ मातृभाषा या हिन्दी के साथ अपने पड़ोसी राज्यों में से किसी एक राज्य की भाषा शमिल की जाये।
7. हिन्दी साहित्य का अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य का हिन्दी में अनुवाद किये जाने की पहल राज्यों में सक्रिय भाषायी समूहों व संगठनों द्वारा की जानी चाहिए। भाषा किसी सम्प्रदाय विशेष की सम्पत्ति नहीं है वरन समाज को जोड़ने का माध्यम है न कि विघटन का।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दु लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. राष्ट्रीय महिला आयोग एक सांविधिक संस्था है। 1990 में इसका गठन हुआ इसके निम्न कार्य है :–

1. संविधान तथा अन्य कानूनों के अन्तर्गत महिलाओं की सुरक्षा से संबद्ध प्रावधानों की समीक्षा करता है।
2. महिला शिकायतों को दूर करने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग याचिकाएं स्वीकार करता है।
3. राष्ट्रीय महिला आयोग के सदस्यों द्वारा कारागरों तथा रिमाण्ड होम नारी निकतेन इत्यादि का रौचक निरीक्षण करता है।
4. महिलाओं से संबंधित विभिन्न विषयों एवं मुद्दो के संबंध में सम्मेलन तथा सभाएं आयोजित करके तथा महिलाओं से जागरूकता बढ़ाने का कार्य भी करता है तथा सामाजिक और आर्थिक विकास हेतु योजनाओं में सहभागिता करना।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दु लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सहाकारी आंदोलन को सफल बनाने के सुझाव निम्नलिखित है :–

1. शिक्षा का प्रसार।
2. सहकारिता का प्रशिक्षण होना चाहिए।
3. समुचित नियोजन।
4. सरकारी अहस्तक्षेप।
5. भ्रष्टाचार का उन्मूलन, निष्पक्ष एवं व्यावसायिक अंकेक्षण।
6. प्रचार प्रसार का बल, कुशल योग्य एवं दूरदर्शी नेतृत्व।
7. सहकारी सिद्धांत का अनुशीलन।
8. लेखों के परीक्षण की व्यवस्था, क्रियाकलापों की समय–समय पर जांच हो।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. **तनाव शैथिल्य के अभ्युदय के लिए निम्नलिखित कारण है :–**

1. वियतनाम युद्ध में अमेरिका की असफलता ने तनाव शैथिल्य के अभ्युदय हेतु उत्तरदायी कारक का कार्य किया।
2. चीन का एक नवीन शक्ति केन्द्र के रूप में उदित होना तनाव शैथिल्य का कारक बना।
3. तनाव शैथिल्य क अभ्युदय का प्रमुख उत्तरदायी कारक दोनों महाशक्तियों को परमाणु युद्ध का डर रहा है।
4. सोवियत रूस और चीन के मध्य बढ़ता विवाद, वैचारिक मतभेद तथा सीमा–विवाद के चलते वे एक दूसरे के विरोधी हो गए। दोनों साम्यवादी राष्ट्रों के मध्य बढ़ते हुए विवाद का लाभ अमरीका ने उठाया। उसने सोवियत संघ के साथ तनाव शैथिल्य की प्रक्रिया अपनायी ताकि सोवियत संघ पर दबाव बनाया जा सके।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व निम्नलिखित है :–

1. **भौगोलिक तत्व :–** भारत की सीमाओं से जुड़े राष्ट्रों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने के साथ–साथ सीमाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर विदेश नीति के निर्धारण में भौगोलिक तत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
2. **ऐतिहासिक परम्पराएं :–** भारत की प्राचीन परम्परा अहिंसा, शांति, सह अस्तित्व और राष्ट्रों के मध्य समस्याओं को शांतिपूर्ण वार्ता से सुलझाने की रही है। भारतीय विदेश नीति में इन परम्पराओं का विशेष ध्यान रखा गया है।
3. **आर्थिक तत्व :–** हर राष्ट्र अपनी जनता को आर्थिक ढंग से संपन्न करने की आशा रखता है। इसके लिए विदेशी राष्ट्रों के सहयोग और सहायता की आवश्यकता पड़ती है। आर्थिक प्रगति तभी हो सकती है जब अन्तर्राष्ट्रीय शांति बनी रहे और संपन्न व विकसित देशों से मित्रतापूर्ण संबंध हो।
4. **विचार धाराओं का प्रभाव :–** भारत की विदेश नीति में मनु, अशोक, गांधी और नेहरू के विचारों का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। शांति, अहिंसा, सह अस्तित्व, धर्म निरपेक्षता अन्तर्राष्ट्रीय व अहस्तक्षेप के साथ–साथ सामाजिक न्याय की भावना, संविधान और विदेश नीति में देखी जा सकती है।
5. **सैनिक कारक।**
6. **तकनीकी कारक।**
7. **घरेलू वातावरण।**
8. **राष्ट्रीय चरित्र।**
9. **अन्तर्राष्ट्रीय वातावरण।**

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. **गुट निरपेक्ष आन्दोलन की उपलब्धियां निम्नलिखित है :–**

1. **अन्तर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा :–** इस आंदोलन की सबसे बड़ी उपलब्धि विश्व में चल रहे युद्धों आपसी मतभेदों से बढ़ते तनाव को समाप्त कर विश्व शांति को बल प्रदान किया है। इस आंदोलन के हस्तक्षेप से कोरिया युद्ध इन्डोचीन संघर्ष स्वेजनहर युद्ध शीत युद्ध और क्यूबा संकट समाप्त हुआ और विश्व युद्ध की आशंका से मुक्त हुआ।
2. **शीत युद्ध में दो महाशक्तियों में समझौता कराने के सफल प्रयास :–** द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विचार धाराओं के टकराव और विश्व नेतृत्व पाने की आकांक्षा से ग्रस्त यूरोपीय देश शस्त्रीकरण और सैनिक गठबंधनों की अंधी प्रतिस्पर्धा से न केवल आर्थिक दृष्टि से कमजोर हो रहे थे वरन कभी भी आण्विक युद्ध के प्रारंभ होने के साथ अपने विनाश की आशंका से भयभीत थे। गुट निरपेक्ष देशों ने मध्यस्थता करते हुए उन्हें धीरे–धीरे वार्ता के द्वारा सारे विश्व को तनाव मुक्त कराने की महती भूमिका निभायी।
3. **दोनों महाशक्तियों का विश्वास जीता :–** गुट निरपेक्ष आन्दोलन के प्रारंभिक काल में अमेरिका और रूस दोनों इनके उद्देश्यों को लेकर इन्हें शंका भरी नजरों से देखते थे। वे इस आंदोलन को अपना प्रतिद्वन्दी समझकर इसे समाप्त कर देने के लिए प्रयास कर रहे थे। किन्तु विश्व में राष्ट्रों के मध्य युद्ध और विवादों को आपसी वार्ता के द्वारा सुलझाने में मिली सफलता से प्रभावित होकर ये दोनों महाशक्तियां इन्हें अपना पक्षधर बनाने के प्रयास में जुट गई है।
4. **निःशस्त्रीकरण को बल प्रदान करना :–** गुट निरपेक्ष आंदोलन में विकासशील देशों के साथ–साथ नवोदित राष्ट्र जुड़े थे। अपनी आर्थिक और राजनीतिक स्थित को मजबूत करने के प्रयासों में शस्त्रों की होड़ को एक बड़ा संकट मानते थे। अतः उन्होंने एक जुट होकर निःशस्त्रीकरण तथा शस्त्र नियंत्रण के संबंध में महाशक्तियों से अपनी सहमति और सहयोग का आश्वासन प्राप्त किया। भारत ने सर्वप्रथम 1954 में आण्विक हथियारों के परीक्षण पर रोक

लगाने की मांग की थी, वहीं इसी आंदोलन के सतत् प्रयासों से 1963 में सफल हुआ।

5. **संयुक्त राष्ट्र में छोटे राष्ट्रों की आवाज को महत्व दिया गया :–** संयुक्त राष्ट्र प्रारंभ से ही विश्व संस्था के नाम पर काम कर रही है। यहां अविकसित और विकासशील राष्ट्रों की आवाज को उपेक्षा के साथ नजर अंदाज कर दिया जाता था। गुट निरपेक्ष आंदोलन से जुड़े राष्ट्रों ने अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के प्रश्नों और समस्याओं पर जब से एकजुट होकर अपनी बात रखना शुरू किया है तब से छोटे–छोटे देशों को अपनी बात रखने का मौका मिला और अन्तर्राष्ट्रीय मामलों में उनकी बात को महत्व दिया जाने लगा।

उपरोक्तानुसार बिन्दुओं का विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विश्व बैंक के कार्य निम्नलिखित है :–

1. सदस्य राष्ट्रों के आर्थिक पुनर्निर्माण एवं विकास हेतु उन्हें दीर्घ कालीन पूंजी उपलब्ध कराना।
2. शांति कालीन आवश्यकताओं के अनुरूप उत्पादन की सुविधाएं विकसित करना।
3. निजी ऋणों तथा पूंजी निवेश के लिए गारंटी प्रदान करना।
4. लघु तथा वृहत् इकाइयों तथा आवश्यक परियोजनाओं के क्रियान्वयन हेतु ऋण प्रदान करना तथा ऐसे ऋणों को गारंटी देना।
5. युद्ध अर्जित अर्थव्यवस्था को शांतिकालीन अर्थव्यवस्था में तब्दील होने में सहयोग करना।
6. कम विकसित देशों में उत्पादक सुविधाओं और संसाधनों के विकास में प्रोत्साहन देना।
7. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की दीर्घ स्थायी संतुलित वृद्धि को बढ़ावा देना।

8. उत्पादक उद्देश्यों के लिए पूंजी के निवेश को सुविधा प्रदान करना।
9. भुगतान संतुलन की साम्यता तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के संतुलित विकास के लिए दीर्घकालीन पूंजी विनियोग को प्रोत्साहित करना।

उपरोक्तानुसार बिन्दुओं का विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. **भारत और अमेरिका के मध्य मतभेद के कारण निम्नलिखित है :–**

1. साम्यवाद के प्रति दोनों देशों के दृष्टिकोण भिन्न थे। अमेरिकी विदेशी नीति का मूल आधार साम्यवाद को रोकता रहा है। जबकि भारत ने अपनी निर्गुट नीति के कारण साम्यवाद के विरूद्ध अमेरिका की भांति कभी कठोर दृष्टिकोण नहीं अपनाया।
2. भारत की विदेश नीति की प्रमुख विशेषताएं सम्प्रदायिकता, उपनिवेशवाद का विरोध करता रहा है। जबकि अमेरिका ने औपनिवेशिक शक्तियों का समर्थन कर तीसरी दुनियां के राष्ट्रों में अपनी छवि को धूमिल कर दिया।
3. अमेरिका ने भारत की गुटनिरपेक्ष मुद्दे पर सदैव ही पाकिस्तान का पक्ष लिया तथा संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत विरोधी प्रस्ताव पारित कराने का प्रयत्न किया।
4. 1954 में अमेरिका और पाकिस्तान के बीच एक संधि हुई जिसके अनुसार अमेरिका ने पाकिस्तान को सैनिक सहायता देना प्रारंभ कर दिया। भारत ने इसका विरोध किया।
5. अफगानिस्तान में सोवियत संघ का सैन्य हस्तक्षेप पर अमरीका का कहना था कि सोवियत सेनाओं की तुरंत वापसी होनी चाहिए जबकि भारत ने कहा कि उपयुक्त समय पर सोवियत संघ को सेना वापस बुलानी चाहिए।

उपरोक्तानुसार कोई चार बिन्दु एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

लाहौर घोषणा पत्र के मुख्य प्रावधान और कारगिल युद्ध 11 मई एवं 13 मई 1998 को भारत द्वारा पोखरन में समुन्नत क्षमता के 5 परमाणु परीक्षण किये गए। पाकिस्तान ने इसे चुनौती के रूप में स्वीकार किया और मई 1998 के अन्त में उसने 6 परमाणु परीक्षण किये। इस प्रकार दोनों ही राष्ट्र परमाणु क्षमता सम्पन्न राष्ट्र बन गये। लाहौर घोषणा पत्र में दोनों राष्ट्रों ने शिमला समझौते के प्रति प्रतिबद्धता की, इन्होंने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में उल्लेखित सिद्धांतों तथा उद्देश्यों के प्रति भी अपनी वचनबद्धता दोहराई, सार्वभौमिक परमाणु निःशस्त्रीकरण तथा अप्रसार के उद्देश्यों के प्रति भी प्रतिबद्धता व्यक्त की। दोनों प्रधान मंत्रियों ने आतंकवाद, उसके प्रत्येक रूप तथा उसकी सभी अभिव्यक्तियों की निन्दा तथा भर्त्सना की।

लाहौर घोषणा पत्र की स्याही भी न सूख पाई कि पाकिस्तान ने कश्मीर और कारगिल क्षेत्र ट्रास और बरालिक क्षेत्र की पहाड़ियों पर कब्जा कर लिया तथा 10 कि.मी. भीतर आ गए। भारतीय सेना ने तुरंत बाहर खदेड़ दिया। भारत ने संयम से काम लेते हुए लगभग दो माह के सीमित संघर्ष में पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ दिया। ऑपरेशन विजय नामक इस अभियान में 413 भारतीय सैनिक/अधिकारी वीर गति को प्राप्त हुए। इस अभियान में भारत को बहुत बड़ी धन राशि खर्च करना पड़ा था।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य विस्तार देने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. **वैश्वीकरण की विशेषताएं निम्नलिखित है :–**

1. देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अर्थव्यवस्था के साथ एककीृत किया जाता है।
2. वस्तुओं, सेवाओं, पूंजी, तकनीकी तथा श्रम संबंधी अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों का एकीकरण हो जाता है इनके आवागमन पर कोई रूकावट नहीं होती है।
3. बहुराष्ट्रीय कंपनियों का विस्तार होता है।

4. राष्ट्र की समृद्धि संबंधी आर्थिक नीतियों का क्षेत्र कम हो जाता है।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आर्थिक उदारीकरण के तर्क निम्नलिखित है :–

1. आर्थिक उदारीकरण के कारण व्यक्तिगत पूंजी का बहाव विश्वव्यापी हो जाता है। इस कार्य में सूचना एवं संचार के आधुनिक माध्यम सक्रिय भूमिका निभाते है।
2. उपभोक्तावाद का तेजी से विस्तार होता है। उपभोक्ताओं को सस्ती तथा विभिन्न प्रकारों की वस्तुओं की खरीद का अवसर मिलता है।
3. आर्थिक उदारीकरण में सामाजिक व्यवस्था तथा सांस्कृतिक व्यवस्था का भी उदारीकरण होता है। विश्व में पृथक–पृथक सांस्कृतिक पहचान के साथ सर्वव्यापी एकीकृत सांस्कृतिक व्यवस्था स्थापित हो जाती है।
4. रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना, सार्वजनिक क्षेत्र में एकाधिकार को दूर करना, प्रबंधकीय दक्षता का विकास करना, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में शामिल होना, उत्पादन क्षमता में विकास करना तथा व्यवसाय के क्षेत्र में सरकार व नौकरशाही के हस्तक्षेप को कम करना है।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. भारत विभाजन के कारण :–

1. **मुसलमानों की भावनाएं :–** मुसलमान अपने आपको हिन्दुओं से अलग मानते चले आ रहे थे। उनकी इस भावना को मोहम्मद इकबाल, जिन्ना तथा मुस्लिम लीग ने और बढ़ावा दिया।

2. **मुस्लिम साम्प्रदायिकता का अंग्रेजी हुकूमत द्वारा प्रोत्साहन :–** अंग्रेजी सरकार ने द्विराष्ट्र सिद्धांत का समर्थन करके मुस्लिम लीग को प्रत्येक संभव सहयोग दिया।
3. **कांग्रेस का मुस्लिम लीग के प्रति रवैया :–** अनेक बार कांग्रेस ने मुस्लिम लीग की अनुचित मांगों को स्वीकारते हुए उसके साथ समझौता किए जिससे उनके मनोबल में बढ़ोत्तरी हुई।
4. **लीग सदस्यों का अन्तरिम सरकार में सम्मिलित होना :–** अन्तरिम सरकार में मुस्लिम लीग को सम्मिलित किए जाने का परिणाम शासन की कार्यकारिणी में विभाजन के रूप में उभरा और कांग्रेस को भारत विभाजन स्वीकार करना पड़ा।

उपरोक्तानुसार बिन्दु एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुसार शरणार्थी वह व्यक्ति है जो किसी वंश, धर्म, राष्ट्र किसी विशेष सामाजिक संस्था या राजनैतिक विचारधारा द्वारा पीड़ित किया जाता है एवं अपने देश द्वारा सुरक्षा न मिलने पर अपने देश से बाहर गमन करता है। भारत विभाजन के परिणाम स्वरूप लगभग 80 लाख शरणार्थी भारत आए। इन शरणार्थियों ने दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश, कलकत्ता, बम्बई आदि बड़े शहरों में शरण ली। भारत में शरणार्थियों के निम्न रूप थे :–

1. पाकिस्तान में बसे अल्प संख्यक समुदाय, सिक्ख जो विभाजन के कारण विस्थापन के शिकार थे वे भारत आकर बसे।

2. भारत में बसे अल्पसंख्यक समुदाय मुसलमान, इनकों भी सिक्खों के स्थान पर पाकिस्तान में विस्थापित होना था। लेकिन इन्हें भारत में भी बने रहने का आधार धर्म निरपेक्ष भारतीय सरकार के कारण प्राप्त हुआ।
3. सन् 1921 की जनगणना के अनुसार भारत में जितने शरणार्थी आए उनमें से 54 प्रतिशत ने नगरीय क्षेत्र को अपना निवास बनाया। उस समय भारत की केवल 17 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय क्षेत्रों में निवास करती थी। इस प्रकार 54 प्रतिशत शरणार्थियों ने नगरीय क्षेत्रों में स्थापित होकर नगरों का संतुलन बिगाड़ दिया। यह भी सत्य है कि भारत के नगरीय क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों में से तमाम लोग पाकिस्तान चले गये। कुल मिलाकर इस अवधि में शरणार्थियों के चलते शहरी जनसंख्या में लगभग 41 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. मण्डल आयोग ने अपनी रिपोर्ट 31 दिसम्बर 1980 को सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जिसे भारत सरकार ने 30 अप्रैल 1982 को संसद के पटल पर खा मंडल आयोग ने इस रिपोर्ट में 3743 जातियों का पिछड़ी जाति की श्रेणी में रखा। आयोग ने केन्द्र सरकार को प्रेषित अपनी रिपोर्ट में इस प्रकार सिफारिशें की :–

1. इस रिपोर्ट के अनुसार पिछड़ी जातियों की जनसंख्या 52 प्रतिशत बताई गई।
2. यदि किसी पिछड़े वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण न मिल पाये तो उसकी पूर्ति अगले वर्ष की जाये इसी तरह इस कमी को तीन वर्षों तक पूरा किया जाता रहेगा।
3. आयु सीमा में पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों को अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के समान छूट दी जाए।

4. 27 प्रतिशत आरक्षण राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्रों तथा बैंकों की नियुक्तियों में लागू हों।
5. पिछड़े वर्गों को शिक्षण संस्थानों में प्रवेश के लिए आरक्षण हो।
6. निजी क्षेत्र के राज्य सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त उद्योगों में आरक्षण दिया जावें।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मध्यप्रदेश पिछड़ वर्ग आयोग मार्च 1993 में गठित हुआ। जिसके मुख्य कार्य इस प्रकार है :–

1. भारतीय संविधान अथवा सामान्य कानूनों द्वारा पिछड़े वर्ग के व्यक्तियों को दिए गये संरक्षण की दिशा में प्रयत्न करना।
2. इन वर्गों के कल्याण के लिए निर्मित कार्यक्रमों की उचित व्यवस्था करना एवं देख रेख करते हुए कार्यक्रमों को प्रभावशाली बनाने के लिए परामर्श देना।
3. लोक सेवाओं एवं शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश लेने के लिए समय–समय पर परामर्श देना।
4. पिछड़े वर्गों में शामिल सम्पन्न वर्ग की पहचान करना। क्रीमी लेयर में आने वाले वर्गों का निर्धारण।
5. इस वर्ग में नये वर्ग को शामिल करने के लिए प्रार्थना पत्र पर विचार करना एवं किसी वर्ग को पिछड़ी जाति वर्ग से बाहर करने के लिए परामर्श देना।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. भारत में क्षेत्रवाद के उदय के कारण :–

1. **ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि एवं क्षेत्रीय विभिन्नता :–** पुरानी रियासतों का विभिन्न राज्यों में विलय हो जाने से ऐतिहासिक पृष्ठभूमि अलग रहने की भावना थी।
2. **भाषायी लगाव :–** भारत के प्रत्येक क्षेत्र के निवासियों को अपनी–अपनी भाषा एवं संस्कृति पर गर्व है। अतः वे अपने लिए विशेष स्थितियों की मांग करते है।
3. **आर्थिक परिस्थितियां :–** कुछ भारतीय क्षेत्रों का तेजी से अत्यधिक आर्थिक विकास हुआ है जबकि देश के कुछ हिस्से इस दृष्टिकोण से पिछड़ गए। जन साधारण में असंतोष के भाव उत्पन्न हुए जिसके कारण क्षेत्रवाद का उदय हुआ।
4. **जातीयता की भावना :–** जिस हिस्से में किसी एक जाति की प्रधानता रही वहां क्षेत्रीयता की भावना काफी उग्र रूप ले लेती है।
5. **राजनीतिक परिस्थितियां :–** राजनीतिक माहत्वकांक्षाओं को पूर्ण करने हेतु प्रादेशिकता की आग, क्षेत्रवाद को उदित करने में सहायक सिद्ध होती है।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विकास, संवृद्धि तथा सामाजिक न्याय के नजरिये से निरक्षता एक बड़ी बाधा है। स्तरीय या अच्छे जीवन जो लोकतंत्र का अभीष्ट है की प्राप्ति में यह एक अवरोध है। निरक्षता अनायास ही समाज को साक्षरों और निरक्षरों में विभाजित कर देती है। साक्षारता के बिन्दु पर विभाजित इस समाज में निरक्षरों के साथ घटिया व्यवहार किया जाता है। साक्षर को उच्च स्तर का माना जाता है।

आज के युग में कुशल रोजगार के लिये औपचारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। इसके लिये न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता भी अनिवार्य होती है। निरक्षरों को न तो यह शिक्षा ही प्राप्त होती है और न ही औपचारिक प्रशिक्षण। चूंकि

परम्परागत क्षेत्र या सेवाओं के द्वारा प्रदान किये जाने वाले रोजगार के अवसरों की संख्या क्रमशः कम होती जा रही है। अतएव निरक्षरों के समक्ष रोजगार एवं रोजगार के सुरक्षा की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। ये सभी स्थितियां विघटनकारी होने के कारण भारतीय लोकतंत्र के क्रियान्वयन में प्रत्यक्ष रूप से बाधक है।

उपरोक्तानुसार विस्तार से लिखने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. भारतीय ग्रामीण जनता का जीवनोपार्जन का साधन वन हुआ करते थे। 1970–80 के दशक में ग्रामीण व पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों ने वनों की कटाई का विरोध किया। यह विरोध संपूर्ण भारत में फैल गया। यह तय किया गया कि वनों को गले से लगा लेवे ताकि वनों की कटाई न हा सके। यही चिपकों आन्दोलन कहलाया। सुन्दरलाल बहुगुणा जी ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया। 15 वर्षों के लिए गढ़वाला में वनों की कटाई प्रतिबंधित कर दी गई।

उपरोक्तानुसार विस्तार से लिखने पर पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत में आर्थिक व सामाजिक परिवर्तनों ने भारतीय समाज की दिशा निर्धारित की है। सुधारों में पश्चिम का प्रभाव अधिक पड़ा है। सामाजिक सुधार आन्दोलन औधोगिकीकरण तथा शहरीकरण प्रमुख रहा है।

इस आंदोलन ने भारत में आर्थिक न्याय सामाजिक न्याय सामाजिक समानता, आर्थिक समानता, आर्थिक विकास में सहकारिता आंदोलन संस्थाओं में परिवर्तन नवीन व्यवस्था के लिए सदैव सजग होना है।

भारतीय समाज में प्राप्त हुई कुरीरियों को दूर करना साम्प्रदायिक ईर्ष्या द्वेष जाति व्यवस्था अस्पृश्यता, बालविवाह, कन्या हत्या, समुद्र यात्रा का निषेध तथा दलित जातियों की दुर्दशा विधवा विवाह निषेध सामाजिक क्षेत्र में सुधार वादी आंदोलनों को कहीं सफलता तो कहीं सफलताएं मिली।

उपरोक्तानुसार विस्तार से लिखने पर भी पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. शांतिपूर्ण सह–अस्तित्व के लिए भारत ने पांच सिद्धांतों को अपनाया है। पंचशील बौद्ध धर्म का एक पारिभाषिक शब्द है जिसका अर्थ होता है आचरण के पांच सिद्धांत इसी प्रकार आधुनिक पंचशील के सिद्धांत द्वारा राष्ट्रों के मध्य आचरण के सिद्धांतों को निरूपण किया गया है। जो इस प्रकार है :–

1. कोई राष्ट्र किसी अन्य राष्ट्र पर आक्रमण नहीं करेगा।
2. कोई राष्ट्र किसी अन्य राष्ट्र के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप नहीं करेगा।
3. सभी राष्ट्र एक दूसरे की राजनीतिक स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखण्डता का सम्मान करेंगे।
4. सभी राष्ट्र एक दूसरे के हितों की संपूर्ति के आधार पर अपने व्यवहार का निर्धारण करेंगे।
5. सभी राष्ट्र शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के आधार पर अपने आचरण का निर्धारण करेंगे।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद एशियाई देशों का एक सम्मेलन नई दिल्ली में हुआ जिसमें 18 देशों ने भाग लिया। तत्पश्चात अगला सम्मेलन भी नई दिल्ली में हुआ जिसमें अफ्रीकी देश भी शामिल हुए।

सन् 1955 में इण्डोनेशिया के नगर बांडुंग में अफ्रीकी और एशियाई देशों का सम्मेलन हुआ इसमें भारतीय प्रधानमंत्री पं. नेहरू की महत्वपूर्ण भूमिका रही। तत्पश्चात गुटनिरपेक्षता तथा विश्व शांति के लिए प्रधानमंत्री नं. नेहरू मार्शल टीटो और कर्नल नासिर के प्रयास से सितम्बर 1961 में बेलग्रेड में गुटनिरपेक्ष

देशों का प्रथम शिखर सम्मेलन हुआ। इस सम्मेलन में 28 देशों ने भाग लिया तब से आज तक 10 शिखर सम्मेलन हो चुके है और अब 106 गुटनिरपेक्ष देश है।

इन सम्मेलनों में अंतर्राष्ट्रीय विषयों पर जोर दिया गया जो इस प्रकार है :–

1. अंतर्राष्ट्रीय कानूनों को मान्यता।
2. निशस्त्रीकरण पर जोर।
3. शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के प्रयास।
4. उपनिवेशवाद एवं साम्राज्यवाद का विरोध और रंगभेद आदि को समाप्त करने के लिए प्रयास किए।

अतः भारत द्वारा समय–समय पर अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर आवाज उठाई जाती रही है।

उपरोक्तानुसार विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. **भारत में संविधान की विशेषताएं :–**

1. **निर्मित, लिखित एवं व्यापक संविधान :–** इसका निर्माण एक संविधान सभा द्वारा लिखित प्रलेख के रूप में किया गया है। यह विश्व का सबसे विशाल संविधान भी है। जिसमें 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियां तथा 4 परिशिष्ट है।
2. **कठोर एवं लचीले संविधान का उचित तालमेल :–** इसके अधिकांश भागों में संशोधन के लिए साधारण प्रक्रिया अपनाई जाती है, वहीं इसके महत्वपूर्ण भागों को संशोधित करने हेतु विशेष प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।
3. **संसदीय शासन प्रणाली :–** केन्द्र तथा राज्य दोनों में कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है। कार्यपालिका के सदस्य विधायिका के भी सदस्य होते है तथा वास्तविक केन्द्रीय कार्यपालिका प्रधानमंत्री एवं उसकी मंत्री परिषद में निहित होती है।

4. **नागरिक के मूल अधिकार, कर्तव्यों तथा नीति निर्देशक तत्वों का समावेश :–** संविधान द्वारा नागरिकों को छः मौलिक अधिकार प्रदत्त किए गए है जिसकी रक्षा का दायित्व न्यायपालिका को सौंपा गया है। वर्तमान में 11 कर्तव्य 42वें संविधान द्वारा जोड़ दिए गए है। भारत के संविधान में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों का भी उल्लेख है।
5. **स्वतंत्र निष्पक्ष न्याय पालिका :–** भारतीय संविधान द्वारा एक स्वतंत्र निष्पक्ष न्यायपालिका के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई है।
6. **अल्प संख्यक एवं पिछड़े वर्गों के कल्याणार्थ विशेष प्रावधान :–** भारतीय संविधान में अल्प संख्यकों तथा पिछड़े वर्गों के धार्मिक भाषाई तथा सांस्कृतिक हितों की रक्षार्थ विशेष प्रावधान किए गए है।

उपरोक्तानुसार बिन्दुओं का विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत का संविधान एक विलक्षण संविधान है। इसमें विश्व के अनेक देशों के संविधानों के लक्षणों को लिया गया है। भारतीय संविधान के विभिन्न स्त्रोतों को निम्नांकित शीर्षकों के अन्तर्गत किया जा सकता है।

1. **1935 का अधिनियम :–** सन् 1935 के अधिनियम का भारतीय संविधान निम्नांकित बिन्दुओं पर ऋणी है:–
   1. संविधान का अनु. 251 जिसमें संघीय विधि और राज्य की विधि किसी प्रकार का विरोधभास होने की स्थिति विषयक प्रावधान किये गये है।
   2. संविधान के अनु. 352 और 356 जिनका संबंध आपातकालीन उपलब्धों से है।
   3. भारतीय संविधान में शक्तियों का विवरण।

2. **ब्रिटिश संविधान :–** संसदीय शासन प्रणाली, विधि निर्मात्री, प्रक्रिया, विधि का शासन, एकल नागरिकता स्पीकर का पद विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया की अवधारणा।
3. **अमरीकी संविधान :–** प्रस्तावना, आदर्श मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरीक्षण, संघीय व्यवस्था, उपराष्ट्रपति का पद आदि।
4. **आयरलैण्ड का संविधान :–** नीति निर्देशक तत्व राष्ट्रपति के निर्वाचक मण्डल का गठन, राज्य सभा के 12 सदस्यों का मनोनयन।
5. **कनाड़ा का संविधान :–** केन्द्र और राज्य के मध्य शक्तियों का वितरण, संघ को अपशिष्ट शक्तियों का आवंटन, राज्यों की व्यवस्थापिका द्वारा पारित कुल विधेयकों की संघ द्वारा स्वीकृति की प्रक्रिया।
6. **आस्ट्रेलिया का संविधान :–** शक्तियों के वितरण में समवर्ती सूची की व्यवस्था।

उपरोक्तानुसार बिन्दुओं का विस्तार एवं अन्य बिन्दुओं का विस्तार लिखने पर भी पूर्ण 6 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्य :–

1. मानव जाति की संतति को युद्ध की विभीषिका से बचाने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को स्थायी रूप प्रदान करना और इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु शांति विरोधी तत्वों को दंडित करना।
2. समान अधिकार तथा आत्म निर्णय के सिद्धातों को मान्यता देते हुए इन सिद्धांतों के आधार पर विभिन्न राष्ट्रों के मध्य संबंधों एवं सहयोग में वृद्धि करने के लिए उचित उपाय करना।
3. विश्व की आर्थिक समाजिक और सांस्कृतिक मानवीय समस्याओं के समाधान हेतु अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना।
4. शांतिपूर्ण उपायों से अन्तर्राष्ट्रीय विवादों को सुलझाना।

5. इस सामान्य उद्देश्यों की पूर्ति में लगे हुए विभिन्न राष्ट्रों के कार्यों में समन्वयकारी केन्द्र के रूप में कार्य करना।

उपरोक्तानुसार विस्तार से लिखने पर पूर्ण 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

निःशस्त्रीकरण की असफलता के कारण निम्नलिखित है :–

1. राष्ट्रों में परस्पर अविश्वास व असुरक्षा का भय है। मुख्यतया महाशक्तियां परस्पर निशस्त्रीकरण की वार्ता एक–दूसरे पर अविश्वास करती है तथा एक दूसरे महाशक्ति को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा समझती है।
2. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रों की सुरक्षा की गारंटी न मिलना भी निशस्त्रीकरण के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है।
3. छोटे राष्ट्रों में महाशक्तियों के समान शक्तिशाली बनने की लालसा के कारण निशस्त्रीकरण की और उदासीनता है। वे भी अपने अस्त्र–शस्त्रों में वृद्धि करने के इच्छुक है।
4. निशस्त्रीकरण की व्याख्या प्रत्येक राष्ट्र अपने राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर करता है। परिणाम स्वरूप निशस्त्रीकरण की वार्ता विफल हो जाती है।
5. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दो गुटों में बंट जाने के कारण शीत युद्ध प्रारंभ होगया जिसके कारण रूस और अमेरिका के मध्य जबरदस्त शस्त्रीकरण की होड़ लग गई।

उपरोक्तानुसार विस्तार से लिखने पर पूर्ण 6 अंक प्राप्त होंगे।

– – – – –